नीम, एक आधा लड़का

इदरीस

हिच-हिच की रानी ने ज्ञानी आरिफ की निर्देशों का ठीक-ठीक पालन नहीं किया, इस कारण उसने एक आधे लड़के को जन्म दिया. यह कहानी एक आधे लड़के, नीम, की कहानी है, जिसे अफ़ग़ानिस्तान, सेंट्रल एशिया और मिडिल ईस्ट के बच्चों को वर्षों से सुनाया जाता रहा है. इदरिस शाह ने बड़े सुंदर ढंग से इस कहानी को इस पुस्तक में लिखा है.

नीम, एक आधा लड़का

एक समय की बात है जब मक्खियाँ उल्टा उड़ा करती थीं और सूर्य ठंडा था तब कहीं एक देश था. उस देश का नाम था हिच-हिच, जिसका अर्थ होता है, “कुछ भी नहीं.”

उस देश में एक राजा था और एक रानी भी थी.

तो रानी ने अन्य लोगों से पूछा और उन्होंने कहा,
“हमें क्षमा करें, महारानी, लेकिन हम नहीं बता सकते कि एक आप एक छोटा लड़का कैसे पा सकती हैं,”
(वह लोग उसे महारानी बुलाते थे क्योंकि एक रानी को ऐसे ही संबोधित किया जाता है.)
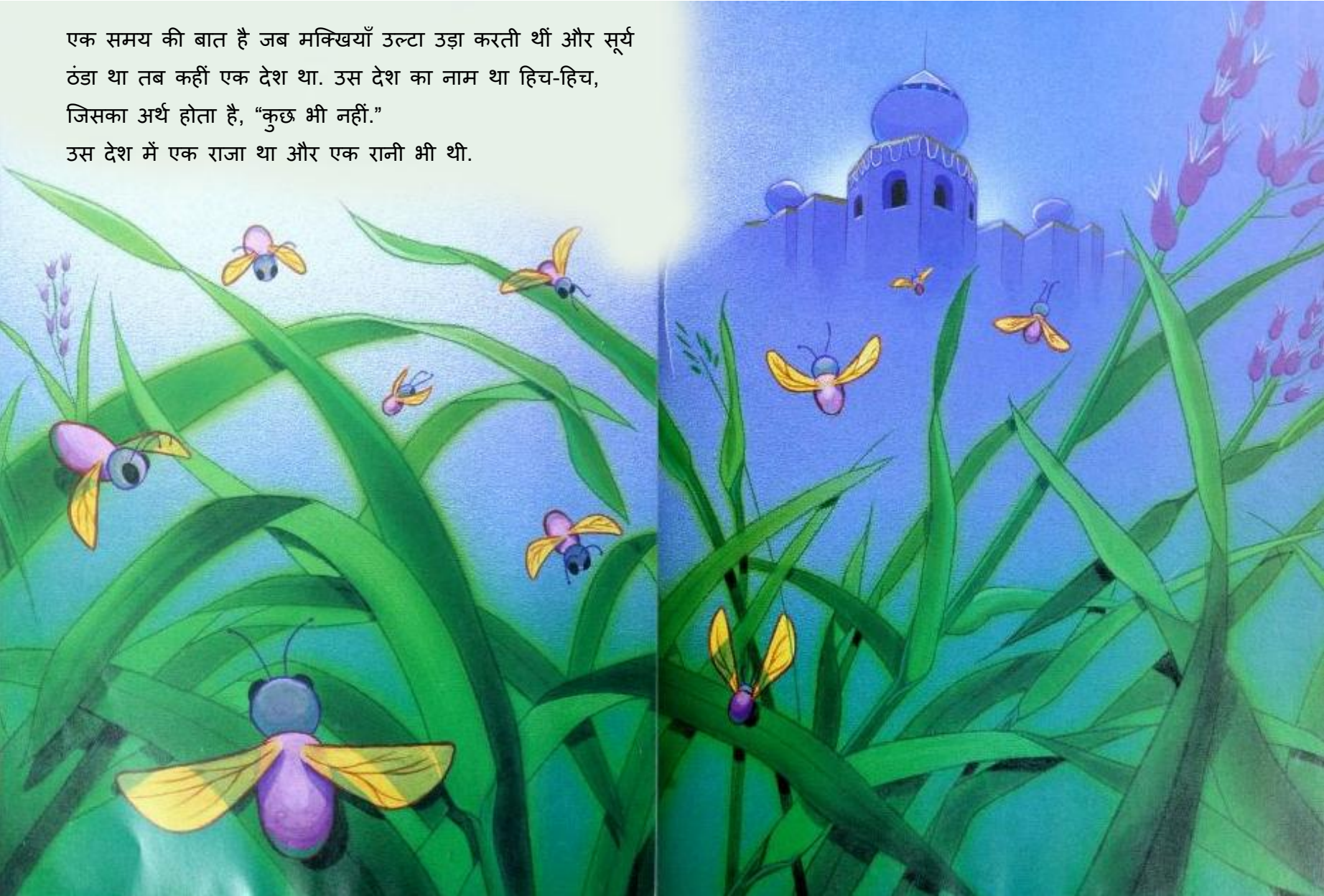
अब उस रानी का कोई पुत्र नहीं था, इसलिये पुत्र के रूप में एक छोटा लड़का पाने की उसकी बड़ी इच्छा थी.
“मैं एक छोटा लड़का कैसे पा सकती हूँ?” उसने राजा से पूछा.
“मैं नहीं जानता, सच में,” राजा ने उत्तर दिया.
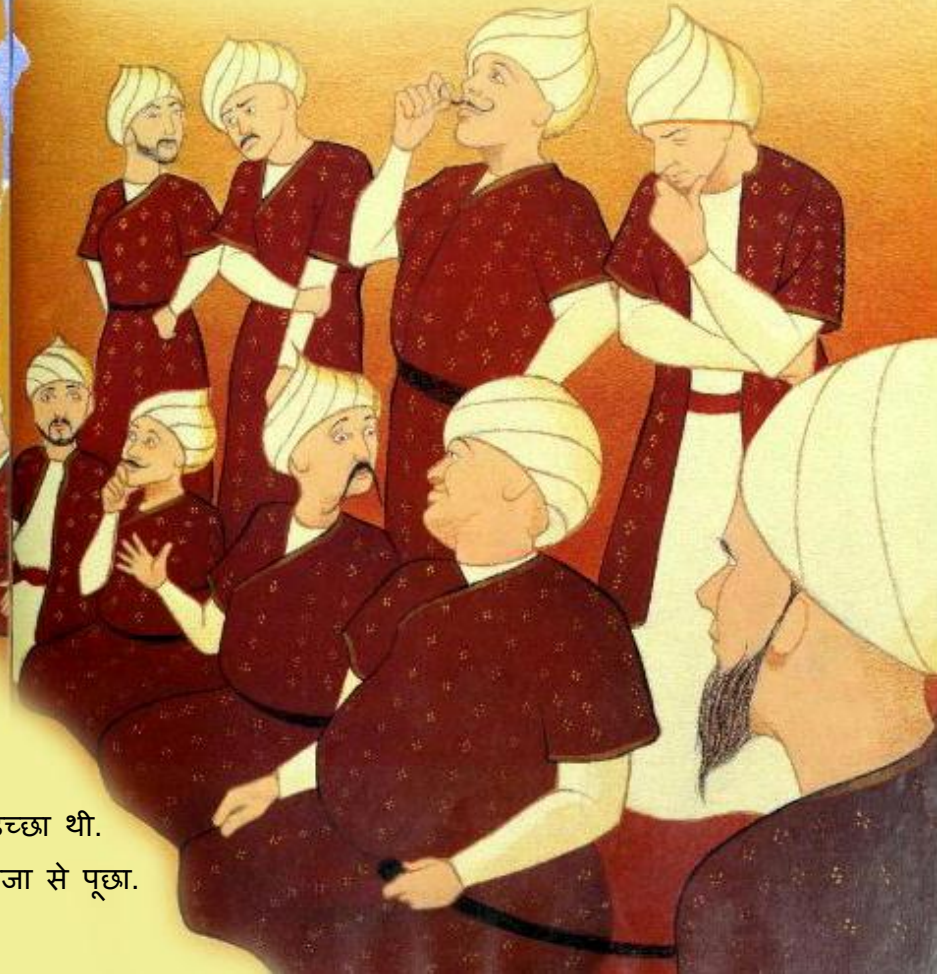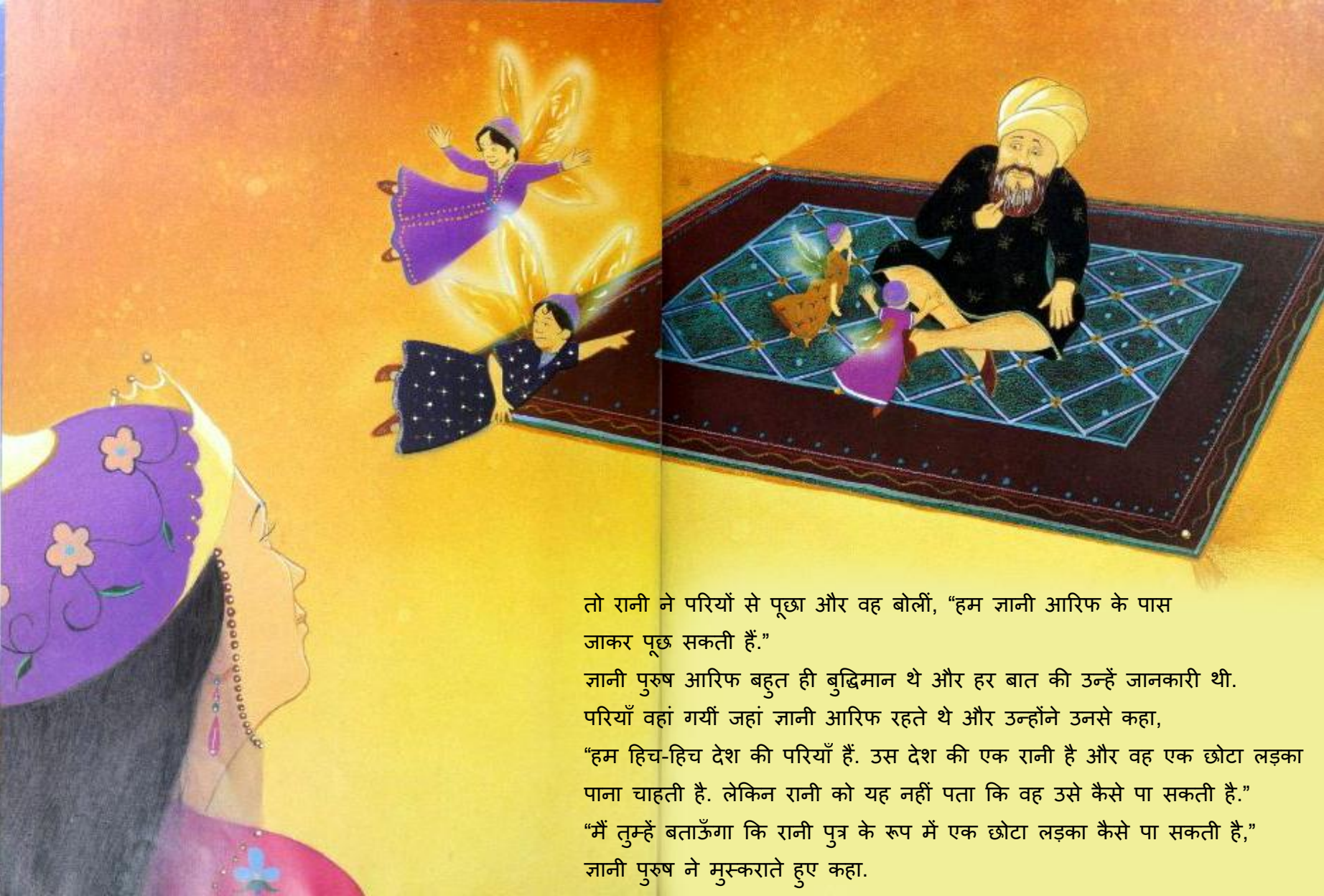
तो रानी ने परियों से पूछा और वह बोलीं, “हम ज्ञानी आरिफ के पास जाकर पूछ सकती हैं.”

ज्ञानी पुरुष आरिफ बहुत ही बुद्धिमान थे और हर बात की उन्हें जानकारी थी.

परियाँ वहां गयीं जहां ज्ञानी आरिफ रहते थे और उन्होंने उनसे कहा,

“हम हिच-हिच देश की परियाँ हैं. उस देश की एक रानी है और वह एक छोटा लड़का पाना चाहती है. लेकिन रानी को यह नहीं पता कि वह उसे कैसे पा सकती है.”

“मैं तुम्हें बताऊँगा कि रानी पुत्र के रूप में एक छोटा लड़का कैसे पा सकती है,” ज्ञानी पुरुष ने मुस्कराते हुए कहा.

और उन्होंने एक सेब उठा कर परियों को दिया और कहा, “यह सेब रानी को देना और उसे कहना कि इसे खा ले. अगर वह इसे पूरा खा लेगी तो वह एक छोटे लड़के को जन्म देगी.”

परियों ने सेब ले लिया और उसे लेकर रानी के पास उड़ती हुई आईं.

“महारानी, हम ज्ञानी पुरुष, आरिफ, से मिलने गईं थीं. वह सब कुछ जानते हैं,” परियों ने रानी से कहा. “उन्होंने कहा है कि आपको यह सेब खाना चाहिये. अगर आप इसे खा लेंगी तो आप एक छोटे लड़के को जन्म देंगी.”
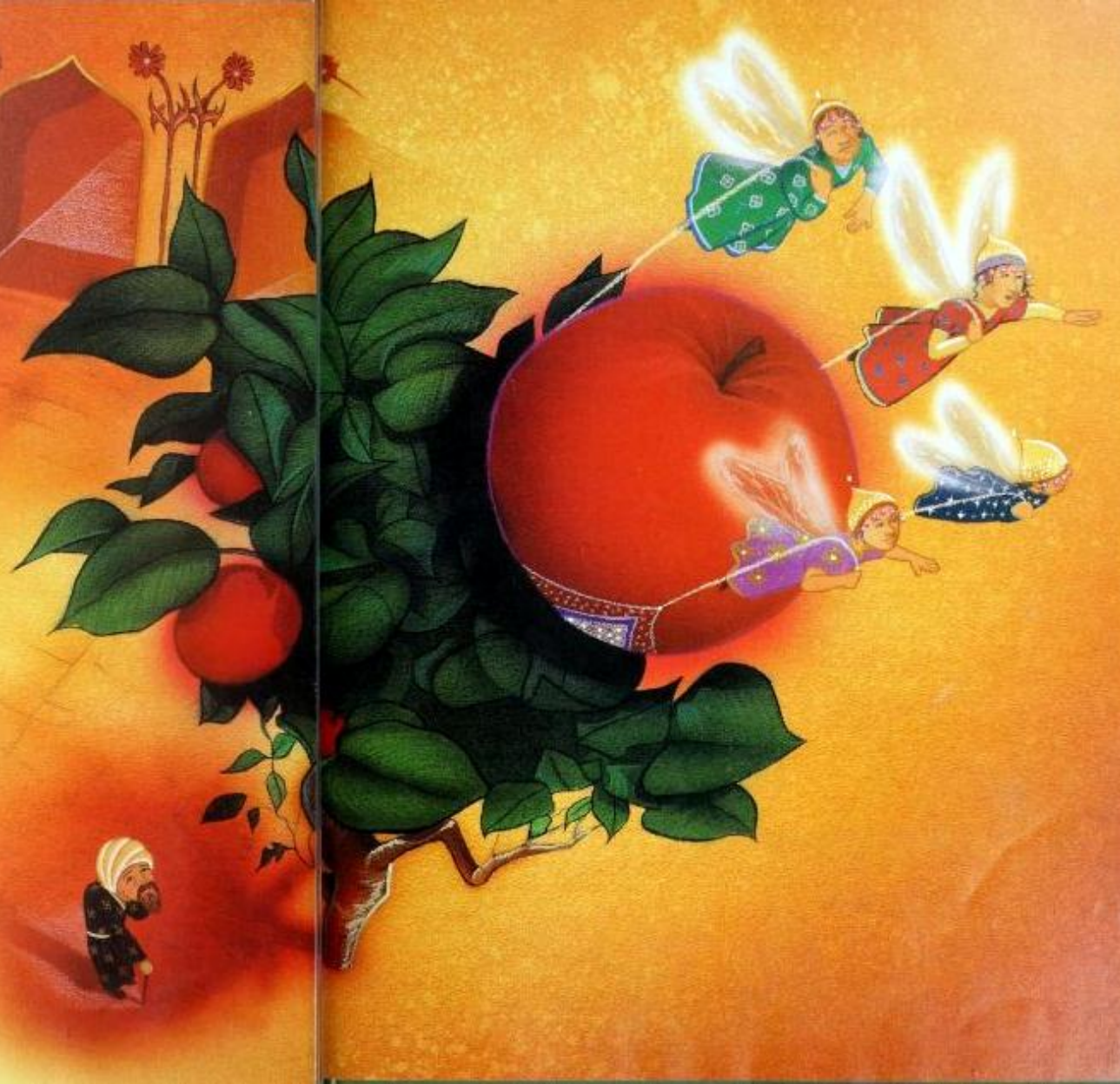
रानी बहुत प्रसन्न हुई. वह सेब खाने लगी. लेकिन पूरा सेब खाने से पहले ही वह भूल गई कि सारा सेब खाना कितना आवश्यक था. वह अन्य बातों के विषय में सोचने लगी और खाये बिना ही आधा सेब उसने गिरा दिया.

उसने निश्चय ही एक छोटे लड़के को जन्म दिया. लेकिन चूँकि उसने आधा सेब ही खाया था उसका लड़का भी आधा ही था. उसकी एक आँख और एक कान, एक हाथ और एक पाँव था. और जहां भी वह जाता था, उछल-उछल कर ही जाता था.

रानी उसे राजकुमार नीम बुलाती थी क्योंकि उस देश की भाषा में नीम का अर्थ होता है 'आधा'.
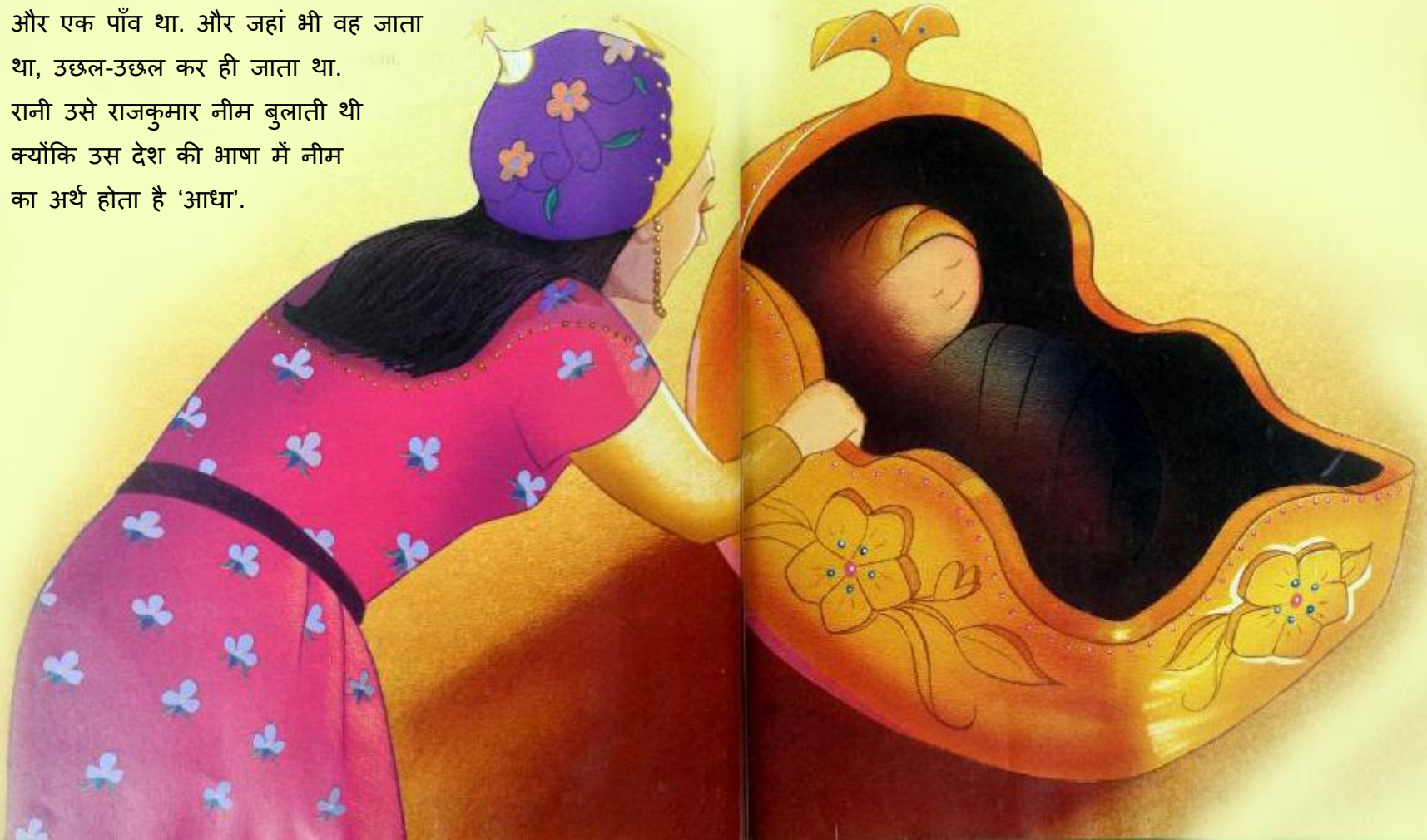
बड़ा होने पर राजकुमार नीम हर जगह एक घोड़े पर ही जाता था. वह बड़ी सरलता से घोड़े पर सवार हो जाता था, क्योंकि उसे घोड़े के ऊपर कूदना न पड़ता था. घुड़-सवारी में वह खूब माहिर हो गया और बड़े होने पर हर मायने में वह एक चतुर लड़का बन गया.

लेकिन शीघ्र ही वह अपने अधूरेपन से ऊब गया और अकसर कहता, “मैं पूरा लड़का होना चाहता हूँ. मैं पूरा लड़का कैसे बन सकता हूँ?”
और रानी कहती, “मैं नहीं जानती, सच में.”
और राजा कहता, “मुझे बिलकुल नहीं पता.”

और जब परियों ने उसकी बात सुनी तो बोलीं, “हमें शायद ज्ञानी पुरुष के पास जाकर उनसे पूछना चाहिये कि राजकुमार नीम पूरे लड़के कैसे बन सकते हैं. ज्ञानी सब कुछ जानते हैं.”

तो परियाँ उड़ती हुईं वहां गयीं जहां ज्ञानी पुरुष आरिफ रहते थे और उनसे कहा, “हम वही परियाँ हैं जो हिच-हिच की रानी के लिये आपसे मिली थीं, जब रानी एक छोटा लड़का पाना चाहती थी. लेकिन वह एक आधा लड़का है और वह अब पूरा लड़का बनना चाहता है. क्या आप उसकी मदद कर सकते हैं?”
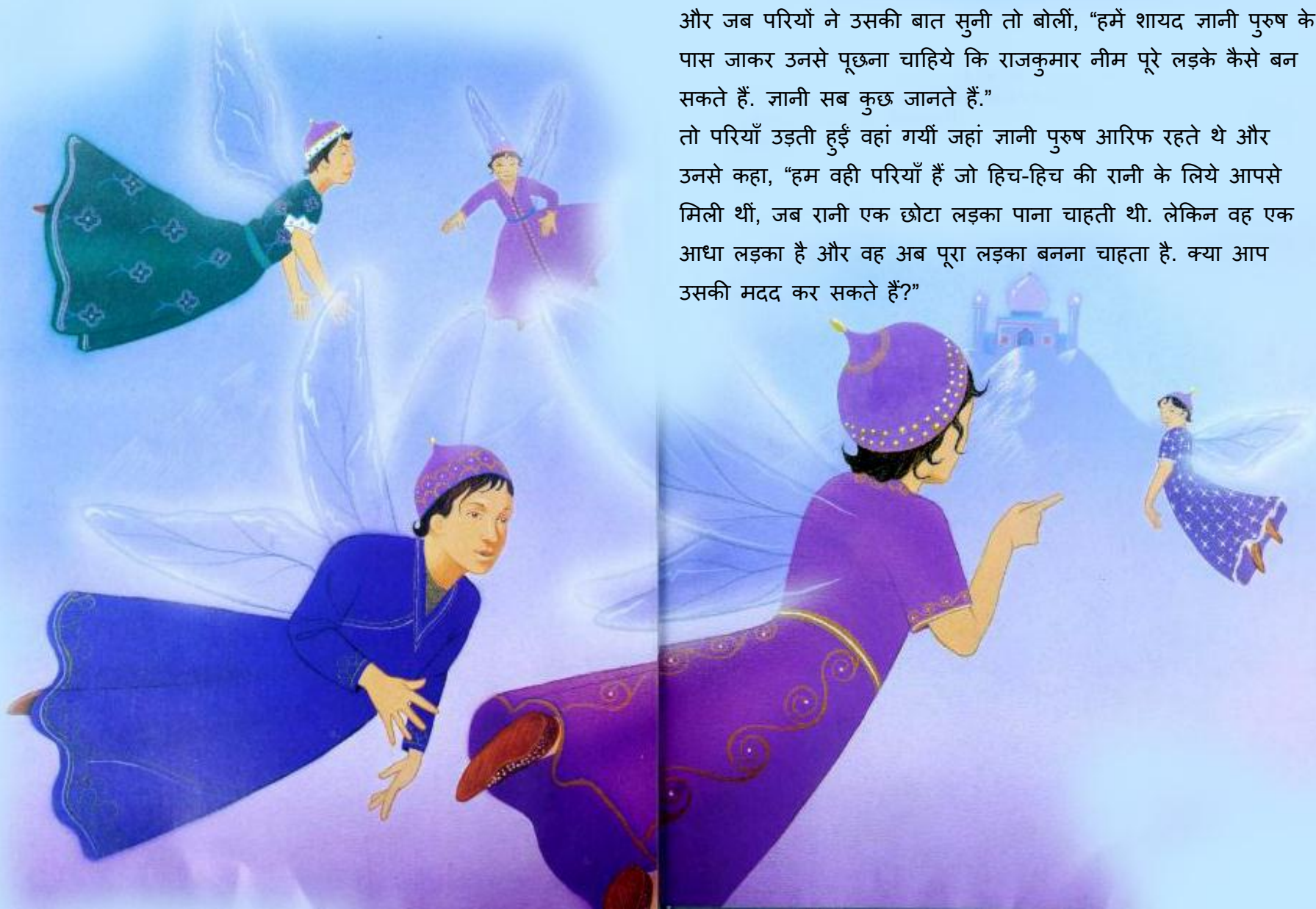
ज्ञानी पुरुष आरिफ ने एक आह भरी और कहा, “रानी ने आधा सेब ही खाया था. इसलिये उसने आधे लड़के को जन्म दिया. लेकिन बहुत समय बीत गया है और रानी बाकी का आधा सेब नहीं खा सकती. अब तक तो वह सेब खराब भी हो गया होगा.”

“तो क्या आधा लड़का नीम अब ऐसा कुछ भी नहीं कर सकता जिससे वह पूरा लड़का बन जाए?” परियों ने पूछा.

“आधे लड़के नीम से कहो कि वह आग फूँकने वाले ड्रैगन टैनीन के पास जाए. ड्रैगन एक गुफा में रहता है और सब पर आग फूंक कर उनको परेशान करता रहता है. टैनीन की गुफा के अंदर आधे लड़के को एक बहुत ही अनोखी दवाई मिलेगी. अगर उस दवाई को वह पी लेगा तो वह एक पूरा लड़का बन जायेगा.

जाओ उसे यह बात बताओ,” ज्ञानी पुरुष आरिफ ने कहा.

बस, परियाँ उड़ने लगीं और बिना रुके तब तक उड़ती रहीं जब तक कि वह उस महल में नहीं पहुँच गईं जहां राजा और रानी के साथ आधा लड़का नीम रहता था.

वहां आकर उन्होंने राजकुमार नीम से कहा, “हम ज्ञानी पुरुष, आरिफ, से मिलने गईं थीं. वह बहुत चतुर हैं और सब कुछ जानते हैं. उन्होंने कहा है कि आपको टैनीन ड्रैगन को उसकी गुफा से बाहर भगाना होगा. उसने लोगों को बहुत परेशान कर रखा है. उसकी गुफा के अंदर आपको एक अनोखी दवाई मिलेगी जो आपको पूरा लड़का बना देगी.”

राजकुमार नीम ने परियों को धन्यवाद दिया और अपने घोड़े पर सवार हो कर उस गुफा की ओर चल दिया जिसमें बैठ कर टैनीन ड्रैगन अपने आसपास आग फूंकता रहता था.

"मैं तुम्हें यहाँ से भगा दूंगा, ओ ड्रैगन," राजकुमार नीम ने चिल्ला कर कहा.

"लेकिन तुम ऐसा क्यों करोगे?" टैनीन ने पूछा.

इस पर राजकुमार नीम ने कहा,

"मैं तुम्हें इसलिए भगा दूंगा क्योंकि तुम सब पर आग फूंकते रहते हो और लोगों को यह अच्छा नहीं लगता."
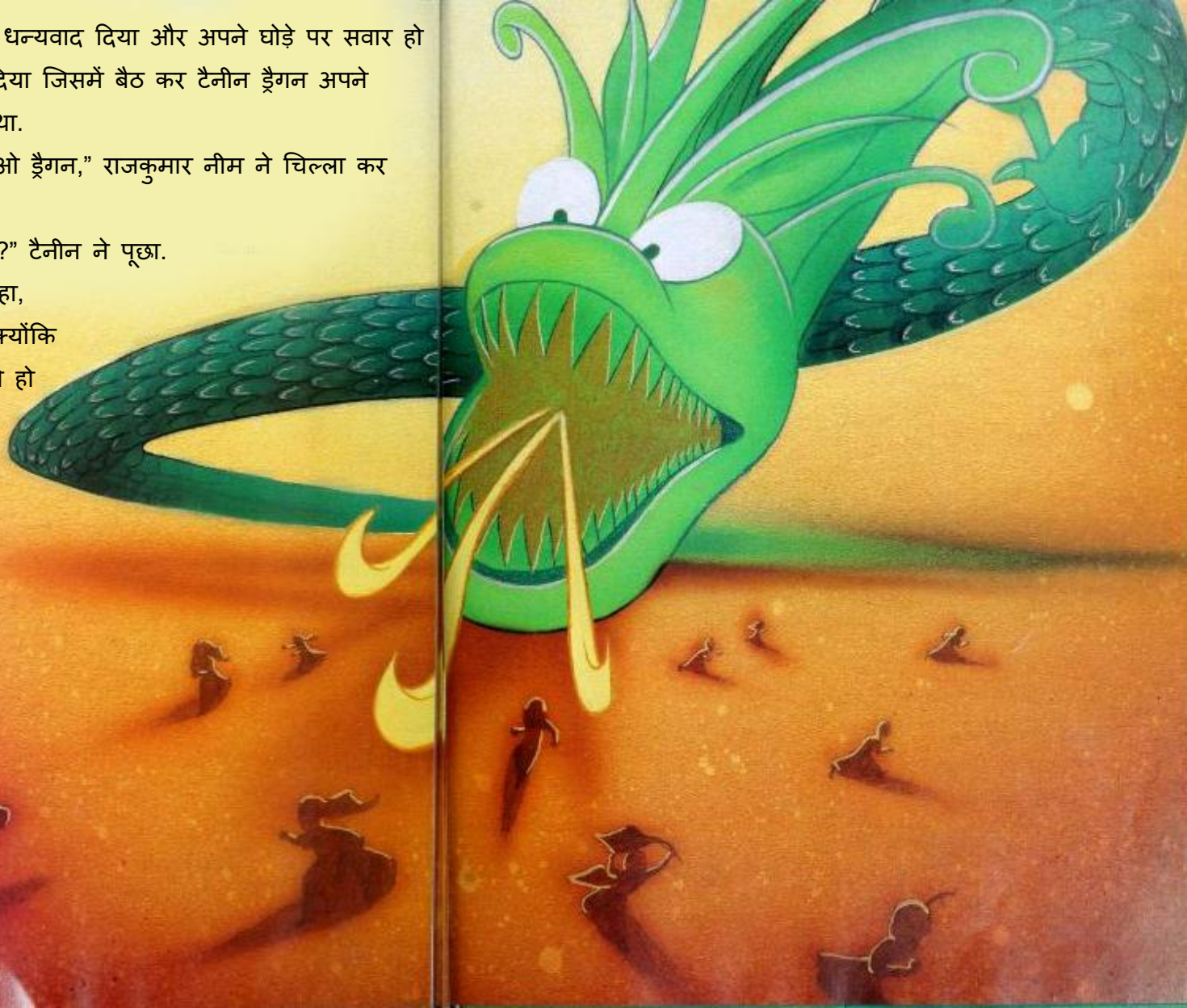
"मुझे आग फूंकनी पड़ती है क्योंकि मुझे अपना खाना पकाना होता है. अगर खाना पकाने के लिए मेरे पास अँगीठी होती तो मुझे आग न फूंकनी पड़ती," टैनीन ने मायूसी से कहा.

"खाना पकाने के लिए मैं तुम्हें अँगीठी दे सकता हूँ. लेकिन तब भी तुम्हें इस गुफा से मुझे भगाना होगा," राज कुमार ने कहा.

तो ड्रैगन ने पूछा, "अगर मैं लोगों पर आग फूंकना बंद कर दूंगा तो फिर तुम ऐसा क्यों करोगे?"

"तुम्हें इस गुफा से इसलिये बाहर निकालना पड़ेगा क्योंकि गुफा के अंदर तुम्हारे पास एक अनोखी दवाई है. अगर वह दवाई मैं पी लेता हूँ तो मैं एक पूरा लड़का बन सकता हूँ और मैं सच में एक पूरा लड़का बनना चाहता हूँ," नीम ने कहा.

"लेकिन वह दवाई मैं तुम्हें दे दूंगा, ताकि उसे पाने के लिये तुम्हें मुझे बाहर न निकालना पड़े. वह दवाई पी कर तुम पूरे लड़के बन जाओगे. फिर तुम जाकर मेरे लिये एक अँगीठी ले आना. मैं उस अँगीठी पर अपना खाना पका लिया करूंगा और फिर मुझे लोगों पर आग फूंकनी न पड़ेगी," ड्रैगन ने कहा.

बस, नीम प्रतीक्षा करने लगा जबकि ड्रैगन गुफा के अंदर चला गया. तुरंत ही टैनीन अनोखी दवाई ले कर गुफा से बाहर आ गया. राजकुमार नीम ने सारी दवाई पी डाली.
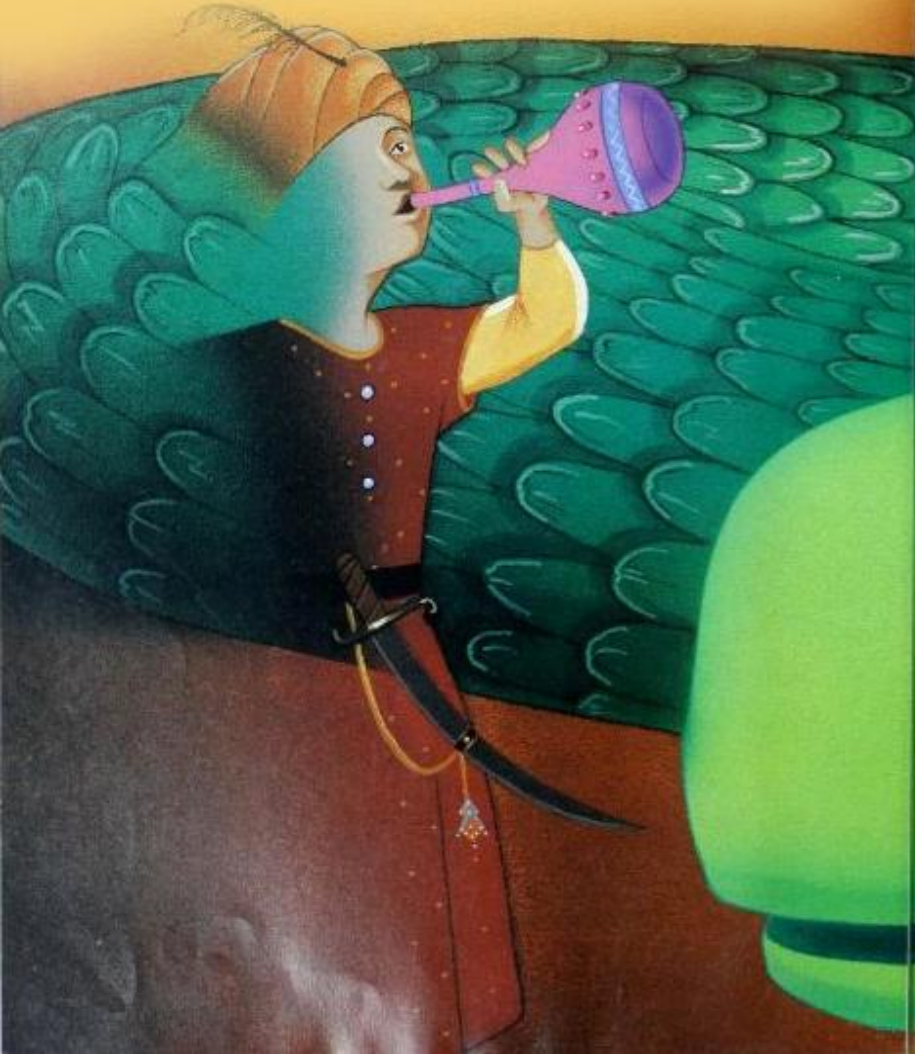
और जितने समय में यह बात कही जा सकती है उससे भी कम समय में दूसरी तरफ उसका एक हाथ उत्पन्न हो गया, उसकी एक बांह उत्पन्न हो गयी, उसका एक कान और बाकी सब कुछ उत्पन्न हो गया.
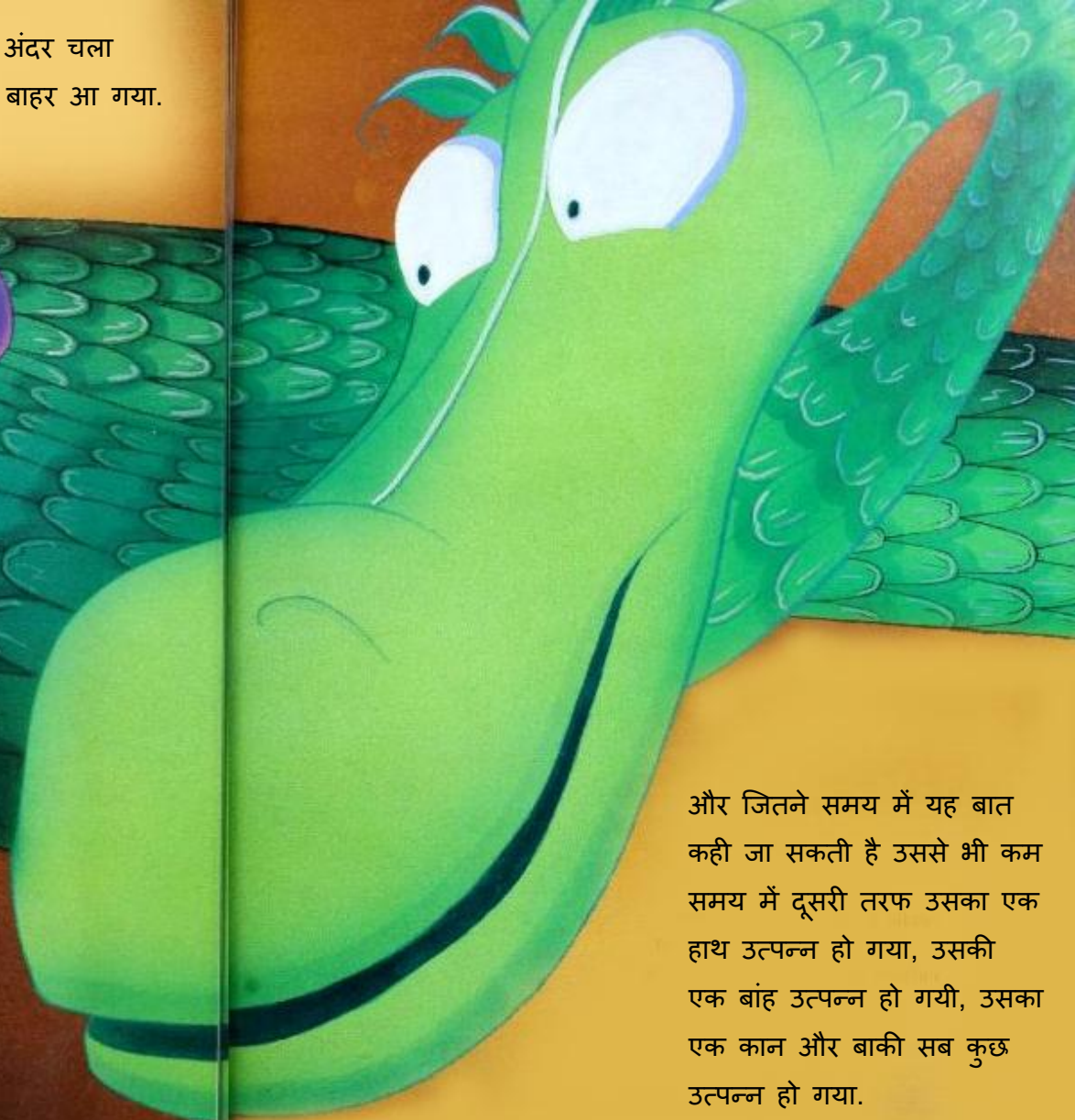
वह एक पूरा लड़का बन गया था!
और वह बहुत, बहुत प्रसन्न था.
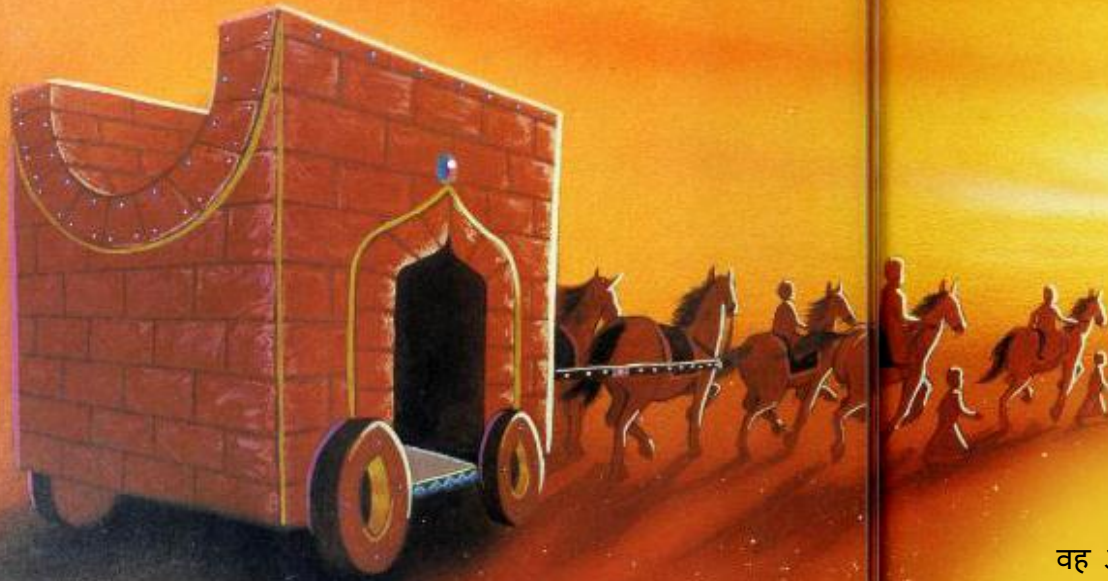
वह अपने घोड़े पर सवार हो कर झटपट हिच-हिच में स्थित अपने महल में लौट आया. वहां उसने एक अँगीठी मंगवाई और उसे लेकर टैनीन के पास वापस आया.

उस दिन के बाद से टैनीन ड्रैगन शान्ति से अपनी गुफा में रहा. फिर उसने कभी किसी पर आग न फूँकी. सब लोग इस बात से बहुत प्रसन्न थे.

अब आधे लड़के नीम को सब कुल्ल के नाम से बुलाते थे.
हिच-हिच की भाषा में इसका अर्थ था, 'पूरा लड़का'.
उसे आधा लड़का बुलाना मूर्खता ही होती क्योंकि वह
तो अब पूरा लड़का था; क्यों मूर्खता होती न?
और सब सदा प्रसन्नता से रहे.

समाप्त